नं. 1

संजीव® बुक्स

इतिहास-XII

भारतीय इतिहास के कुछ विषय : भाग-1, 2, 3

(कक्षा 12 के विद्यार्थियों के लिए नवीनतम पाठ्यक्रमानुसार)

- माध्य. शिक्षा बोर्ड, 2025 के प्रश्न-पत्र का समावेश
- पाठ्यपुस्तक के सभी अभ्यास प्रश्नों का हल
- शिक्षा विभाग, राजस्थान द्वारा जारी प्रश्न बैंक के प्रश्नों का हल सहित समावेश
- सभी प्रकार के अन्य महत्वपूर्ण प्रश्नों का समावेश
- योग्य एवं अनुभवी लेखकों द्वारा लिखित
- प्रथम श्रेणी प्राप्त करने के लिए पूर्ण सामग्री

2026

संजीव प्रकाशन,
जयपुर

मूल्य : ₹ 360/-

- प्रकाशक :

  संजीव प्रकाशन

  धामाणी मार्केट, चौड़ा रास्ता,

  जयपुर-3

  email : sanjeevprakashanjaipur@gmail.com
  website : www.sanjivprakashan.com

- © प्रकाशकाधीन

- **मूल्य : ₹ 360.00**

- लेजर कम्पोजिंग :

  संजीव प्रकाशन (D.T.P. Department), जयपुर

- मुद्रक :

  पंजाबी प्रेस, जयपुर

  ******

❖ इस पुस्तक में त्रुटियों को दूर करने के लिए हर संभव प्रयास किया गया है। किसी भी त्रुटि के पाये जाने पर अथवा किसी भी तरह के सुझाव के लिए आप हमें निम्न पते पर email या पत्र भेजकर सूचित कर सकते हैं—

email : sanjeevprakashanjaipur@gmail.com
पता : प्रकाशन विभाग संजीव प्रकाशन
धामाणी मार्केट, चौड़ा रास्ता, जयपुर

आपके द्वारा भेजे गये सुझावों से अगला संस्करण और बेहतर हो सकेगा।

❖ इस पुस्तक में प्रकाशित किसी त्रुटि के प्रति तथा इससे होने वाली किसी भी क्षति के लिए लेखक, प्रकाशक, संपादक तथा मुद्रक किसी भी रूप में जिम्मेदार नहीं हैं।

❖ सभी प्रकार के विवादों का न्यायिक क्षेत्र 'जयपुर' होगा।

विषय–सूची

भारतीय इतिहास के कुछ विषय

भाग–1

1. **ईंटें, मनके तथा अस्थियाँ**
हड़प्पा सभ्यता 1–37

2. **राजा, किसान और नगर**
आरम्भिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ
(लगभग 600 ई.पू. से 600 ईसवी) 38–71

3. **बन्धुत्व, जाति तथा वर्ग**
आरम्भिक समाज
(लगभग 600 ई.पू. से 600 ईसवी) 72–101

4. **विचारक, विश्वास और इमारतें**
सांस्कृतिक विकास
(लगभग 600 ईसा पूर्व से ईसा संवत् 600 तक) 102–133

भाग–2

5. **यात्रियों के नज़रिए**
समाज के बारे में उनकी समझ
(लगभग दसवीं से सत्रहवीं सदी तक) 134–167

6. **भक्ति–सूफी परम्पराएँ**
धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ
(लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक) 168–207

7. **एक साम्राज्य की राजधानी : विजयनगर**
(लगभग चौदहवीं से सोलहवीं सदी तक) 208–239

8. **किसान, जमींदार और राज्य**
कृषि समाज और मुगल साम्राज्य
(लगभग सोलहवीं और सत्रहवीं सदी) 240–276

भाग-3

9. **उपनिवेशवाद और देहात**
(सरकारी अभिलेखों का अध्ययन) 277-306

10. **विद्रोही और राज**
(1857 का आन्दोलन और उसके व्याख्यान) 307-331

11. **महात्मा गाँधी और राष्ट्रीय आन्दोलन**
(सविनय अवज्ञा और उससे आगे) 332-362

12. **संविधान का निर्माण**
(एक नये युग की शुरुआत) 363-386

मानचित्र सम्बन्धी प्रश्न **387-400**

❑❑❑

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2025

इतिहास
(History)

समय : 3 घण्टे 15 मिनट **पूर्णांक : 80**

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

(1) परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न-पत्र पर नामांक अनिवार्यत: लिखें।
(2) **सभी** प्रश्न करने अनिवार्य हैं।
(3) प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें।
(4) जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।
(5) प्रश्न-पत्र के हिन्दी व अंग्रेजी रूपान्तर में किसी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही मानें।
(6) प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।

खण्ड-'अ' (Section-A)

1. **बहुविकल्पी प्रश्न : निम्न प्रश्नों के उत्तर का सही विकल्प चयन कर उत्तर-पुस्तिका में लिखिए।**
(Multiple Choice Questions : Answer the following questions by selecting the correct option and write them in the answer sheet.)

(i) निम्न में से कौन चन्द्रगुप्त मौर्य के दरबार में राजदूत के रूप में आए थे? [1]
(अ) श्वैन-त्सांग (ब) फा-शिएन (स) मेगस्थनीज (द) इत्सिंग

(ii) 'पियदस्सी' व 'देवानांपिय' किस शासक की उपाधियां हैं? [1]
(अ) अशोक (ब) बिन्दुसार (स) समुद्रगुप्त (द) चन्द्रगुप्त द्वितीय

(iii) प्रसिद्ध संस्कृत विद्वान वी.एस. सुकथांकर के नेतृत्व में एक अत्यंत महत्त्वाकांक्षी परियोजना की शुरुआत किस वर्ष हुई? [1]
(अ) 1919 (ब) 1925 (स) 1930 (द) 1935

(iv) 1951-52 में हस्तिनापुर का उत्खनन कार्य निम्न में से किसके द्वारा किया गया? [1]
(अ) आर. एस. शर्मा (ब) इरावती कार्वे (स) उमा. चक्रवर्ती (द) बी.बी. लाल

(v) निम्न में से कौनसा युग्म सुमेलित है? [1]

	घटना	**स्थान**
(अ)	बुद्ध का जन्म	लुम्बिनी
(ब)	बुद्ध को ज्ञान की प्राप्ति	कुशीनगर
(स)	बुद्ध का प्रथम उपदेश	बोधगया
(द)	बुद्ध को निब्बान की प्राप्ति	सारनाथ

(vi) शाहजहाँ बेगम और उनकी उत्तराधिकारी सुल्तानजहाँ बेगम, जिन्होंने साँची के स्तूप के रख-रखाव के लिए धन का अनुदान दिया, किस राज्य से सम्बन्धित थीं? [1]
(अ) हैदराबाद (ब) जूनागढ़ (स) भोपाल (द) बड़ौदा

(vii) किस शासक ने इब्न बतूता को दिल्ली का काजी नियुक्त किया? [1]
(अ) गयासुद्दीन तुगलक (ब) फिरोज तुगलक
(स) मुहम्मद बिन तुगलक (द) अलाउद्दीन खिलजी

(viii) फ्रांस्वा बर्नियर कितने वर्षों तक भारत में रहा? [1]
(अ) 8 (ब) 10 (स) 12 (द) 14

(ix) निम्न में से किस सूफी संत को 'गरीब नवाज' कहा जाता है? [1]
(अ) निजामुद्दीन औलिया (ब) मुइनुद्दीन चिश्ती
(स) नसीरूद्दीन चिराग-ए-देहली (द) फरीदुद्दीन गंज-ए-शकर

(x) 'लोटस महल' किस साम्राज्य के राजकीय केन्द्र के सबसे सुंदर भवनों में से एक है? [1]
(अ) विजयनगर (ब) गोलकोण्डा (स) बीजापुर (द) अहमदनगर

(xi) कृष्णदेव राय किस वंश के प्रसिद्ध शासक थे? [1]
(अ) सुलुव (ब) संगम (स) अराविदु (द) तुलुव

(xii) 'आइन' के अन्तर्गत सैनिक व नागरिक प्रशासन का विवरण किसमें है? [1]
(अ) मंजिल-आबादी (ब) मुल्क-आबादी
(स) सिपह-आबादी (द) पाँचवी किताब (दफ्तर)

(xiii) अकबर के शासन काल में वह जमीन क्या कहलाती थी जिस पर पांच या उससे ज्यादा वर्षों से खेती नहीं की गई हो? [1]
(अ) पोलज (ब) परौती (स) चचर (द) बंजर

(xiv) पाँचवीं रिपोर्ट ब्रिटिश संसद में कब पेश की गई? [1]
(अ) 1810 (ब) 1813 (स) 1820 (द) 1875

(xv) 1861 ई. में निम्न में से किस देश में गृहयुद्ध प्रारम्भ हुआ? [1]
(अ) अमेरिका (ब) फ्रांस (स) रूस (द) ब्रिटेन

(xvi) 1851 में भारत के गवर्नर जनरल कौन थे? [1]
(अ) लार्ड वेलेजली (ब) लार्ड केनिंग (स) लार्ड रिपन (द) लार्ड डलहौजी

(xvii) संविधान सभा के महत्त्वपूर्ण सदस्य के. एम. मुंशी किस राज्य के थे? [1]
(अ) राजस्थान (ब) उत्तर-प्रदेश (स) गुजरात (द) मध्य प्रदेश

(xviii) महात्मा गांधी की सलाह पर किन्हें केन्द्रीय विधि मंत्री का पद संभालने का न्यौता दिया गया था? [1]
(अ) वल्लभ भाई पटेल (ब) जवाहर लाल नेहरू
(स) राजेन्द्र प्रसाद (द) बी. आर. अम्बेडकर

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

Fill in the blanks :

(i) मगध के विकास के साथ-साथ .... साम्राज्य का उदय हुआ। [1]
(ii) मनुस्मृति में .... के 'कर्त्तव्यों' की सूची मिलती है। [1]
(iii) अल-बिरूनी का जन्म आधुनिक उज्बेकिस्तान में स्थित ख्वारिज्म में सन् .... में हुआ था। [1]
(iv) 'अमरनायक' प्रणाली .... साम्राज्य की एक प्रमुख राजनीतिक खोज की। [1]
(v) मध्य भारत और दक्कनी पठार में फैले हुए जमीन के बड़े-बड़े टुकड़ों पर .... उगाई जाती थी। [1]
(vi) उन्नीसवीं शताब्दी के प्रारंभिक वर्षों में, ... ने राजमहल की पहाड़ियों का दौरा किया था। [1]

3. अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न : निम्न प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक पंक्ति में दीजिए।

(Very Short Answer Type Questions : Answer the following questions in **one** word or **one** line.)

(i) सिन्धु घाटी सभ्यता का स्थल 'बनावली' वर्तमान में किस राज्य में स्थित? [1]
In which state is 'Banawali', the site of Indus valley civilization located at present?

(ii) वह पहला सम्राट कौन था जिसने अपने अधिकारियों और प्रजा के लिए संदेश प्राकृतिक पत्थरों और पॉलिश किए हुए स्तंभों पर लिखवाए थे? [1]
Who was the first ruler who incribed his meassages to his subjects and officials on stone surfaces-natural rocks as well as polished pillars?

(iii) आरंभिक संस्कृत परंपरा में महाभारत को किस श्रेणी में रखा गया है? [1]
In which category is Mahabharata placed in the early sanskrit tradition?

(iv) आप कैसे कह सकते हैं कि बुद्ध के जीवन काल में और उनकी मृत्यु के बाद भी बौद्ध धर्म तेजी से फैला? [1]
How can you say that Buddhism grew rapidly both during the lifetime of the Buddha and after his death?

(v) प्रसिद्ध यात्री ज्यौं — बैप्टिस्ट तेवर्नियर किस देश के निवासी थे? [1]
The famous traveller Jean-Baptiste Travernier belonged to which country?

(vi) सगुण भक्ति परम्परा से आप क्या समझते हैं? [1]
What do you understand by saguna bhakti tradition?

(vii) राक्षसी-तांगड़ी युद्ध किस वर्ष हुआ था? [1]
In which year did the battle of Rakshasi-Tangadi take place?

(viii) 'खुद-काश्त' से आप क्या समझते हैं? [1]
What do you understand by 'Khud-kashta'?

(ix) इस्तमरारी बंदोबस्त की कोई एक विशेषता बताइये। [1]
Mention any one feature of permanent settlement.

(x) आप कैसे कह सकते हैं कि दक्षिण अफ्रीका ने ही गांधी जी को 'महात्मा' बनाया? [1]
How can you say that South Africa was the making of the 'Mahatma'?

(xi) संविधान सभा का गठन किस प्रकार हुआ? [1]
How was the Constituent Assembly formed?

खण्ड-'ब' (Section-B)

लघूत्तरात्मक प्रश्न : (उत्तर शब्द सीमा लगभग 50 शब्द)
Short Answer Type Questions : (Answer word limit approx. **50** words)

4. सिन्धु घाटी सभ्यता में सिंचाई के लिए किन-किन साधनों का प्रयोग किया जाता था? [2]
Which means were used for irrigation in the Indus Valley Civilization?

5. छठी शताब्दी ई.पू. में होने वाली कोई दो महत्त्वपूर्ण घटनाओं का उल्लेख कीजिए। [1+1=2]
Mention any two important events that took place in the 6^{th} century BCE.

6. 'गोत्र' से आप क्या समझते हैं? [2]
What do you mean by 'Gotra'?

7. इब्न बतूता ने दिल्ली की किन विशेषताओं का उल्लेख किया है? [2]
What features of Delhi did Ibn Battuta mention?

8. चिश्ती उपासना के सन्दर्भ में 'कव्वाली' से आप क्या समझते हैं? [2]
What do you understand by 'Qawwali' in the context of chishti devotionalism?

9. महानवमी डिब्बा से जुड़े कोई दो अनुष्ठान लिखिए। [1+1=2]
Write any two rituals associated with Mahanavami dibba?

10. 'कभी-कभी किसान और दस्तकारों के बीच फर्क करना मुश्किल होता था'। मुगल साम्राज्य के सन्दर्भ में कथन का औचित्य स्पष्ट कीजिए। [2]
'At times, however, the distinction between artisans and peasants in village society was a fluid one'. Justify the statement in the context of the Mughal Empire.

11. 'जोतदार' व 'रैयत' में अन्तर स्पष्ट कीजिए। [2]
Explain the difference between 'Jotedar' and 'Ryot'.

12. झांसी की रानी को किन परिस्थितियों में बगावत का नेतृत्व संभालना पड़ा? [2]
Under what circumstances did the Rani of Jhansi have to take up the leadership of the uprising?

13. 'प्रत्यक्ष कार्यवाही दिवस' का आह्वान क्यों किया गया? [2]
Why was 'Direct Action Day' called for?

खण्ड-'स' (Section-C)

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न : (उत्तर शब्द सीमा लगभग 100 शब्द)
Long Answer Type Questions : (Answer word limit approx. **100** words)

14. आप कैसे कह सकते हैं कि सिन्धु घाटी सभ्यता की लिपि एक रहस्यमय लिपि थी? [3]
How can you say that the script of the Indus Valley Civilization was an enigmatic script?

अथवा/OR

आप कैसे कह सकते हैं कि हड़प्पा सभ्यता का सबसे अनूठा पहलू शहरी केन्द्रों का विकास था?
How can you say that the most unique feature of the Harappan Civilization was the development of urban centres?

15. सूफीमत के विकास की विवेचना कीजिए। [3]
Discuss the Growth of Sufism.

अथवा/OR

प्रारंभिक भक्ति परंपरा की विवेचना कीजिए।
Discuss the early traditions of Bhakti.

16. 1857 के आंदोलन के सन्दर्भ में अवध में विद्रोह पर टिप्पणी लिखिए। [3]
Write a note on the revolt in Awadh in the context of the revolt of 1857.

अथवा/OR

1857 के विद्रोह से सम्बन्धित चित्रों से हमें कौन-कौन सी जानकारियां प्राप्त होती हैं? लिखिए।
What information do we get from the pictures related to the revolt of 1857? Write.

17. भारत के संविधान में केन्द्र सरकार और राज्य सरकार के बीच शक्तियों के बँटवारे हेतु कौनसी सूचियाँ बनाई गईं? समझाइये। [3]
Which lists were made in the constitution of India for the division of power between the central Government and the States? Explain.

अथवा/OR

संविधान सभा में भाषा के मुद्दे पर किस प्रकार की बहस हुई? समझाइये।
What kind of debate took place on the language issue in the Constituent Assembly? Explain.

खण्ड-'द' (Section-D)

निबन्धात्मक प्रश्न : (उत्तर शब्द सीमा लगभग 250 शब्द)
Essay Type Questions : (Answer word limit approx. **250** words)

18. 'नमक एकाधिकार के जिस मुद्दे का उन्होंने चयन किया था वह गाँधी जी की कुशल समझदारी का एक अन्य उदाहरण था।'। कथन की विवेचना कीजिए। [4]
'His picking on the salt monopoly was another illustration of Gandhiji's tactical wisdom'. Discuss the statement.

अथवा/OR

'रॉलेट सत्याग्रह से ही गाँधी जी एक सच्चे राष्ट्रीय नेता बन गए'। कथन की विवेचना कीजिए।
'It was the Rowlatt Satyagraha that made Gandhiji a truly National leader'. Discuss the statement.

19. जैन दर्शन की प्रमुख शिक्षाओं का वर्णन कीजिए। [4]
Describe the main teachings of Jain philosophy.

अथवा/OR

स्तूपों की खोज किस प्रकार हुई? वर्णन कीजिए।
How were the stupas discovered? Describe it.

20. भारत के रेखा-मानचित्र में निम्नलिखित ऐतिहासिक स्थलों को अंकित कीजिए: [1+1+1+1+1=5]
(अ) सूरत (ब) कलकत्ता (स) विजयनगर (द) कोशल (य) इन्द्रप्रस्थ
Mark the following Historical places in the outline map of India :
(a) Surat (b) Calcutta (c) Vijayanagar (d) Koshala (e) Indraprastha

अथवा/OR

भारत के रेखा-मानचित्र में निम्नलिखित ऐतिहासिक स्थलों को अंकित कीजिए :
(अ) बनारस (ब) दिल्ली (स) पटना (द) धोलावीरा (य) औरंगाबाद
Mark the following Historical places in the outline map of India :
(a) Banaras (b) Delhi (c) Patna (d) Dholavira (e) Aurangabad

इतिहास कक्षा-XII

भारतीय इतिहास के कुछ विषय : भाग-1

1. ईंटें, मनके तथा अस्थियाँ

हड़प्पा सभ्यता

पाठ-सार

1. हड़प्पा सभ्यता–सिन्धु घाटी सभ्यता को हड़प्पा संस्कृति भी कहा जाता है। इस सभ्यता का नामकरण, हड़प्पा नामक स्थान के नाम पर किया गया है, जहाँ यह संस्कृति पहली बार खोजी गई थी। हड़प्पा सभ्यता का काल निर्धारण लगभग 2600 और 1900 ईसा पूर्व के बीच किया गया है। इस क्षेत्र में इस सभ्यता से पहले और बाद में भी संस्कृतियाँ अस्तित्व में थीं, जिन्हें क्रमशः आरम्भिक तथा परवर्ती हड़प्पा कहा जाता है। इन संस्कृतियों से हड़प्पा सभ्यता को अलग करने के लिए कभी-कभी इसे विकसित हड़प्पा संस्कृति भी कहा जाता है।

2. आरम्भिक हड़प्पा संस्कृतियाँ–इस क्षेत्र में विकसित हड़प्पा से पहले भी कई संस्कृतियाँ अस्तित्व में थीं। ये संस्कृतियाँ अपनी विशिष्ट मृदभाण्ड शैली से सम्बद्ध थीं। इसके संदर्भ में हमें कृषि, पशुपालन तथा कुछ शिल्पकारी के साक्ष्य भी मिलते हैं।

3. निर्वाह के तरीके–विकसित हड़प्पा संस्कृति कुछ ऐसे स्थानों पर पनपी जहाँ पहले आरम्भिक हड़प्पा संस्कृतियाँ अस्तित्व में थीं। हड़प्पा सभ्यता के निवासी कई प्रकार के पेड़-पौधों से प्राप्त उत्पाद तथा जानवरों से प्राप्त भोजन करते थे। ये लोग गेहूँ, जौ, दाल, सफेद चना, तिल, बाजरा, चावल आदि का सेवन करते थे। ये लोग भेड़, बकरी, भैंस तथा सूअर के मांस का भी सेवन करते थे। हड़प्पा स्थलों से भेड़, बकरी, भैंस, सूअर आदि जानवरों की हड्डियाँ प्राप्त हुई हैं। ये मछली का भी सेवन करते थे।

4. कृषि प्रौद्योगिकी–हड़प्पा-निवासी बैल से परिचित थे। पुरातत्वविदों की मान्यता है कि खेत जोतने के लिए बैलों का प्रयोग होता था। चोलिस्तान के कई स्थलों तथा बनावली (हरियाणा) से मिट्टी से बने हल के प्रतिरूप मिले हैं। कालीबंगन नामक स्थान पर जुते हुए खेत का साक्ष्य मिला है। कुछ पुरातत्वविदों के अनुसार हड़प्पा सभ्यता के लोग लकड़ी के हत्थों में बिठाए गए पत्थर के फलकों तथा धातु के औजारों का प्रयोग करते थे।

5. मोहनजोदड़ो : एक नियोजित शहर–मोहनजोदड़ो बस्ती दो भागों में विभाजित है—एक छोटा परन्तु ऊँचाई पर बनाया गया और दूसरा अधिक बड़ा परन्तु नीचे बनाया गया। पुरातत्वविदों ने इन्हें क्रमशः दुर्ग और निचला शहर का नाम दिया है। दुर्ग को दीवार से घेरा गया था, जिसका अर्थ है कि इसे निचले शहर से अलग किया गया था। मोहनजोदड़ो का दूसरा भाग निचला शहर था, इसे भी दीवार से घेरा गया था। यहाँ कई भवनों को ऊँचे चबूतरों पर बनाया गया था जो नींव का कार्य करते थे। पहले बस्ती का नियोजन किया गया था, फिर उसके अनुसार उसका कार्यान्वयन किया गया था। ईंटें एक निश्चित अनुपात में होती थीं। ये धूप में सुखाकर अथवा भट्टी में पकाकर बनाई गई थीं।

6. नालों का निर्माण–सड़कों या गलियों को लगभग एक 'ग्रिड' पद्धति में बनाया गया था। ऐसा प्रतीत होता है कि पहले नालियों के साथ गलियों को बनाया गया था और फिर उनके अगल-बगल आवासों का निर्माण किया गया था। घरों के गन्दे पानी को गलियों की नालियों से जोड़ा गया था। हर आवास गली में नालियों का निर्माण किया गया था। मुख्य नाले ईंटों से बने थे और उन्हें ईंटों से ढका गया था।

7. गृह स्थापत्य–मोहनजोदड़ो का निचला शहर आवासीय भवनों के उदाहरण प्रस्तुत करता है। कई भवन एक आँगन पर केन्द्रित थे जिसके चारों ओर कमरे बने थे। आँगन खाना पकाने और कताई करने जैसी गतिविधियों का केन्द्र

था। प्रत्येक मकान में एक स्नानघर होता था। कई मकानों में कुएँ थे। मोहनजोदड़ो में लगभग 700 कुएँ थे। मकानों में भूमि तल पर बनी दीवारों में खिड़कियाँ नहीं थीं।

8. दुर्ग—मोहनजोदड़ो में दुर्ग पर अनेक संरचनाएँ थीं जिनमें माल गोदाम तथा विशाल स्नानागार उल्लेखनीय हैं। माल गोदाम एक ऐसी विशाल संरचना है जिसके ईंटों से बने केवल निचले हिस्से शेष हैं। विशाल स्नानागार आँगन में बना एक आयताकार जलाशय है जो चारों ओर से एक गलियारे से घिरा हुआ है। जलाशय के तल तक जाने के लिए दो सीढ़ियाँ बनी हुई थीं। इसके उत्तर में एक छोटी संरचना थी जिसमें आठ स्नानागार बने हुए थे।

9. शवाधान—सामान्यतया मृतकों को गर्तों में दफनाया जाता था। मृतकों के साथ मृदभाण्ड, आभूषण, शंख के छल्ले, तांबे के दर्पण आदि वस्तुएँ भी दफनाई जाती थीं।

10. विलासिता की वस्तुओं की खोज—फयॉन्स (घिसी हुई रेत अथवा बालू तथा रंग और चिपचिपे पदार्थ के मिश्रण को पकाकर बनाया गया पदार्थ) के छोटे पात्र सम्भवत: कीमती माने जाते थे क्योंकि इन्हें बनाना कठिन था। महंगे पदार्थों से बनी दुर्लभ वस्तुएँ सामान्यत: मोहनजोदड़ो और हड़प्पा जैसी बड़ी बस्तियों में ही मिलती हैं, छोटी बस्तियों में ये विरले ही मिलती हैं।

11. शिल्प-उत्पादन के विषय में जानकारी—चन्हूदड़ो नामक बस्ती पूरी तरह से शिल्प-उत्पादन में लगी हुई थी। शिल्प कार्यों में मनके बनाना, शंख की कटाई, धातुकर्म, मुहर निर्माण तथा बाट बनाना सम्मिलित थे। मनके, कार्नीलियन, जैस्पर, स्फटिक, क्वार्ट्ज, सेलखड़ी जैसे पत्थर, ताँबा, काँसा तथा सोने जैसी धातुओं, शंख, फयॉन्स और पकी मिट्टी आदि से बनाए जाते थे। नागेश्वर तथा बालाकोट शंख से बनी हुई वस्तुओं के प्रसिद्ध केन्द्र थे। यहाँ शंख से चूड़ियाँ, करछियाँ, पच्चीकारी की वस्तुएँ बनाई जाती थीं।

12. उत्पादन केन्द्रों की पहचान—शिल्प-उत्पादन में केन्द्रों की पहचान के लिए पुरातत्वविद सामान्यत: इन चीजों को ढूँढ़ते हैं—प्रस्तर पिंड, पूरे शंख, ताँबा-अयस्क जैसा कच्चा माल, औजार, अपूर्ण वस्तुएँ, त्याग दिया गया माल तथा कूड़ा-करकट।

13. माल प्राप्त करने सम्बन्धी नीतियाँ—बैलगाड़ियाँ सामान तथा लोगों के लिए स्थलमार्गों द्वारा परिवहन का एक महत्त्वपूर्ण साधन थीं। सिन्धु नदी तथा इसकी उपनदियों के आस-पास बने नदी-मार्गों और तटीय मार्गों का भी प्रयोग किया जाता था।

14. उपमहाद्वीप तथा उसके आगे से आने वाला माल—नागेश्वर तथा बालाकोट से शंख प्राप्त किये जाते थे। नीले रंग का कीमती पत्थर लाजवर्द मणि को शोर्तुघई (सुदूर अफगानिस्तान) से, कार्नीलियन गुजरात में स्थित भड़ौच से, सेलखड़ी दक्षिणी राजस्थान तथा उत्तरी गुजरात से और धातु राजस्थान से मंगाई जाती थी। लोथल इनके स्रोतों के निकट स्थित था। राजस्थान के खेतड़ी अँचल (ताँबे के लिए) तथा दक्षिणी भारत (सोने के लिए) जैसे क्षेत्रों में अभियान भेजे जाते थे।

15. सुदूर क्षेत्रों से सम्पर्क—पुरातात्विक खोजों से पता चलता है कि ताँबा सम्भवत: अरब प्रायद्वीप के दक्षिण-पश्चिमी छोर पर स्थित ओमान से भी लाया जाता था। मेसोपोटामिया के लेख से ज्ञात होता है कि कार्नीलियन, लाजवर्द मणि, ताँबा, सोना आदि मेलुहा से प्राप्त किये जाते थे।

16. मुहरें और मुद्रांकन—मुहरों और मुद्रांकनों का प्रयोग लम्बी दूरी के सम्पर्कों को सुविधाजनक बनाने के लिए होता था।

17. एक रहस्यमय लिपि—हड़प्पाई मुहरों पर कुछ लिखा हुआ है जो सम्भवत: मालिक के नाम और पदवी को दर्शाता है। यह लिपि आज तक पढ़ी नहीं जा सकी है। सम्भवत: यह लिपि दायीं से बायीं ओर लिखी जाती थी।

18. बाट—विनिमय बाटों की एक सूक्ष्म या परिशुद्ध प्रणाली द्वारा नियन्त्रित थे। ये सामान्यतया घनाकार होते थे। इन बाटों के निचले मानदंड द्विआधारी (1, 2, 4, 8, 16, 32 इत्यादि 12,800 तक) थे जबकि ऊपरी मानदंड दशमलव प्रणाली का अनुसरण करते थे। छोटे बाटों का प्रयोग सम्भवत: आभूषणों और मनकों को तौलने के लिए किया जाता था।

19. प्राचीन सत्ता—हड़प्पाई पुरावस्तुओं में जैसे—मुहरों, बाटों, ईंटों आदि में एकरूपता थी। बस्तियाँ विशेष स्थानों पर आवश्यकतानुसार स्थापित की गई थीं। इन सभी क्रियाकलापों को कोई राजनीतिक सत्ता संगठित करती थी।

20. प्रासाद तथा शासक—कुछ पुरातत्वविदों का मत है कि मोहनजोदड़ो में मिला एक विशाल भवन एक राज-प्रासाद ही है। कुछ पुरातत्वविदों की मान्यता है कि हड़प्पाई समाज में शासक नहीं थे तथा सभी की सामाजिक